

I demand that the Government must implement strict regulations on aquaculture and pollution, promote sustainable farming, restore mangroves through reforestation, engage and educate communities, enforce anti-logging laws, invest in climate-resilient infrastructure, and collaborate with environmental organizations to ensure effective conservation of West Bengal's mangroves.

Demand for special drive to encourage Sanskrit education

डा. भीम सिंह (बिहार): महोदय, दुनिया भी स्वीकार करती है कि वेद से पुराना कोई ग्रंथ नहीं है। वेद, उपनिषद और हमारे अन्य प्राचीन शास्त्र ज्ञान के भण्डार हैं। इनमें सब कुछ है। इनमें खगोल, भूगोल, भूगर्भ, चिकित्सा, रसायन, पदार्थ, गणित, ज्यामिति, कंप्यूटर, राजनीति, अर्थनीति आदि विषयों से लेकर तत्व मीमांसा जैसे गूढ़ विषयक ज्ञान भी हैं। पूर्व राष्ट्रपति व प्रसिद्ध दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन जी का मानना था कि उपनिषद के ऋषियों ने विचार की जिस ऊंचाई को प्राप्त कर लिया है, उससे अधिक मनुष्य जाति कभी सोच ही नहीं सकती है। पर हम अपने ज्ञान भण्डार का समुचित दोहन नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि हमारे ये ग्रंथ संस्कृत भाषा में हैं और संस्कृत आज ज्यादा पढ़ी नहीं जा रही है, लिहाजा मेरी सरकार से माँग है कि, (i) संस्कृत शिक्षा पर जोर देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। (ii) वर्ग 4 से 12 तक संस्कृत की शिक्षा को अनिवार्य की जाए। (iii) CBSE, ICSE तथा KVS की तर्ज पर केंद्रीय संस्कृत शिक्षा बोर्ड की स्थापना की जाए। (iv) संस्कृत में उच्च शिक्षा हासिल करने वालों को उदारतापूर्वक छात्रवृत्तियाँ दी जाएं। (v) संस्कृत शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए।

Demand to reduce the cost of CPAP machine, masks and pipe filters used for treating sleep apnea disorders

श्री नरेश बंसल (उत्तराखंड): महोदय, नींद मानव कार्यप्रणाली का एक आवश्यक हिस्सा है। नींद संबंधी विकार जीवन की गुणवत्ता को खराब करते हैं और इस प्रकार कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करते हैं। भारतीय आबादी में नींद से जुड़ी बीमारियों का बोझ बहुत बड़ा है। आम तौर पर पाए जाने वाले नींद संबंधी विकारों में अनिद्रा, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया, हाइपरसोमनिया, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम और शिफ्ट वर्क डिसऑर्डर शामिल हैं। नींद की कमी या इसके बार-बार बाधित होने से होने वाले विनाशकारी परिणामों को स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा उजागर किया जाता है। "नींद अध्ययन" शब्द से आमतौर पर पॉलीसोम्नोग्राफी (पीएसजी) नींद संबंधी विकारों की गंभीरता के निदान और मूल्यांकन के लिए मानक है। नींद संबंधी विकारों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता के कारण नींद के अध्ययन की माँग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रयोगशाला-आधारित "पीएसजी" एक महंगा परीक्षण है और हर जगह उपलब्ध नहीं है। "CPAP MACHINE" और मास्क, पाइप फिल्टर, जो उपचार के रूप में पेशेंट्स को दिये जाते हैं, की लागत भी आम आदमी की सीमा से बहुत अधिक है। प्रभावी और अच्छे घरेलू परीक्षण नींद अध्ययन उपकरण बनाने के

लिए मशीन लर्निंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य प्रगति में अनुसंधान के लिए सरकारी समर्थन होना चाहिए। प्रौद्योगिकी में प्रगति को पीएसजी और "CPAP MACHINE" को हृदय गति या रक्तचाप मॉनिटर की तरह एक निदान उपकरण के रूप में पेश करना चाहिए। पेशेवर निकायों को नींद अध्ययन उपकरणों की निगरानी में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद जनता को उचित कीमत पर उपलब्ध कराए जाएं। मेरी सरकार से यह माँग है कि इस पर ध्यान दिया जाए।

Concern over spreading of drug addiction among the youth in the border areas of Rajasthan

श्री घनश्याम तिवाड़ी (राजस्थान): महोदय, राजस्थान, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधता और भव्यता के लिए जाना जाता है, वह आज एक गंभीर सामाजिक समस्या का सामना कर रहा है - युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति। खासकर राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में यह समस्या तेजी से फैल रही है और समाज के लिए चिंता का कारण बन रही है। इन क्षेत्रों में नशे की सामग्री का अवैध व्यापार और उसकी पहुंच ने न केवल युवा पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर किया है, बल्कि पूरे समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित किया है। राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों, विशेष रूप से पाकिस्तान और हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की सीमाओं के पास स्थित जिलों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इन क्षेत्रों में अवैध नशे की सामग्री जैसे अफीम, हेरोइन, चरस, गांजा, शराब और अन्य ड्रग्स का कारोबार तेजी से फैल रहा है। इन नशीली दवाओं का सेवन करने वाले ज्यादातर युवा हैं, जिनकी उम्र 16 से 30 साल के बीच है। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से संवेदनशील और गरीब इलाकों में अधिक देखी जा रही है, जहां शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जागरूकता की कमी है। युवाओं के बीच नशे की लत का कारण आमतौर पर आर्थिक तंगी, बेरोजगारी, पारिवारिक समस्याएँ और सामाजिक असंतोष होते हैं। यह आदत धीरे-धीरे उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से नष्ट कर देती है। अतः मेरा निवेदन है कि सरकार इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet at 11.00 a.m. on Monday, the 10th March 2025.

The House then adjourned at three minutes past six of the clock till eleven of the clock on Monday, the 10th March, 2025.